International Parkinson and Movement Disorder Society

कोर्टकिोबासल डजिनरेशन (Corticobasal Degeneration): रोगियों के लिए आवश्यक तथ्य

यह क्या है?

कोर्टिकोबासल डिजनरेशन (CBD) एक दुर्लभ, प्रगतिशील न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी है। यह पहली बार 1968 में पहचाना गया था। यह बीमारी आम तौर पर 60 और 70 की उम्र के बीच शुरू होती है। CBD एक जटिल बीमारी है जिसमें कई तरह के लक्षण और संकेत होते है।

इस रोग के लक्षण क्या है ?

CBD आमतौर पर आपके शरीर के एक हिस्से को दूसरे की तुलना में बहुत अधिक प्रभावित करता है। सामान्य लक्षणों में शामिल है:

- धीरे-धीरे चलना और गर्दन, हाथ और पैर की कठोरता
- संतुलन और चलने की समस्या से गिरने की सम्भावना
- मांसपेशियों में मरोड़ या झटके, जिसे मायोक्लोनस (myoclonus) कहा जाता है
- सामान्य रूप से हाथ और पैर चलाने मे मुस्किल होना
- एक तरफ सनसनी का एहसास या स्पर्श से चीजों को पहचानने में परेशानी
- हाथों का स्वतंत्र रूप से काम करना जैसे उनका अपना मस्तिष्क उन्हे चालित कर रहा हो जो कभी कभी "एलयिन लिंब (alien limb)" कहलाता है
- भाषण और भाषा के साथ कठिनाइयाँ, जैसे कि सही शब्द खोजने में परेशानी
- व्यवहार परिवर्तन जैसे कि प्रेरणा का आभाव, व्यक्तित्व

मुख्य लक्षण के तौर पर कई प्रकार के CBD की पहचान की गई है। CBD के लक्षण कई बार सामान्य न्यूरोलॉजीकल बीमारी से ओवरलैप हो जाते है। यही वजह है कि न्यूरोलॉजिस्ट अक्सर CBD के बजाय कॉर्टिकोबेसल सिंड्रोम (Corticobasal syndrome) शब्द का इस्तेमाल करते है।

इस बीमारी का कारण क्या हैं?:

CBD का कारण अभी भी अज्ञात है। CBD एक असामान्य मस्तिष्क उम्र बढ़ने की प्रक्रिया का कारण बनता है जो समय के साथ आगे बढ़ता है। स्वस्थ लोगों के दिमाग में ताऊ(tau) नामक एक प्रोटीन होता है। यह सामान्य न्यूरॉन क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन CBD वाले लोगों में एक असामान्य ताऊ (tau) प्रोटीन होता है जो मस्तिष्क में बनता है। यह कुछ क्षेत्रों में तंत्रिका कोशिकाओं और मस्तिष्क की अन्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। शोधकर्ताओं को अभी तक पता नहीं है कि यह ताऊ (tau) प्रोटीन CBD में असामान्य क्यों है। CBD वंशानुगत नहीं है और न ही इसे पर्यावरणीय जोखिम से जोड़ा जा सकता है।

इसका निदान कैसे किया जाता है?

निदान आपके मेडिकल इतिहास और न्यूरोलॉजिकल परीक्षा पर आधारित है। क्योंकि CBD के संकेत और लक्षण अन्य बीमारियों के समान हो सकते हैं, जैसे कि पार्किंसंस रोग, प्रारंभिक अवस्था में इसका निदान करना मुश्किल हो सकता है। बाद में भी, निदान मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी निदान केवल शव परीक्षा द्वारा किया जाता है। चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (MRI) जैसे स्कैन अक्सर उपयोगी होते हैं। इमेजिंग CBD की नकल करने वाली अन्य बीमारियों को नियंत्रित कर सकता है। इमेजिंग में मस्तिष्क संकोचन के विशिष्ट पैटर्न भी मिल सकते हैं, जिन्हें शोष (atrophy) कहा जाता है। निदान के लिए कोई रक्त परीक्षण नहीं है।

क्या कोई उपचार है?

CBD की प्रगति को धीमा करने के लिए कोई प्रभावी उपचार नहीं है। । यद्यपि कुछ लक्षण के कभी कभी उपचार सम्भव है। आप के लक्षण को देखते हुए आपके डॉक्टर यह कर सकते हैं:

- धीमी गति में सुधार के लिए लेवोडोपा (levodopa)
- मायोक्लोनस (myoclonus) का प्रबंधन करने के लिए दवाएं
- कुछ मांसपेशियों में हाथ या पैर की कठोरता को कम करने के लिए बोटुलिनम विष (botulinum toxin) इंजेक्शन
- मूत्र संबंधी समस्याओं, चिंता, अवसाद, संज्ञानात्मक समस्याओं आदि के लिए अन्य लक्षित दवाओं का प्रयोग करना।
- फिजीयोथेरापी, अकुपेशनल थेरापी, स्पीचथेरापी कुछ हद तक आप को अपने दैनंदिन कार्य को
- बनाए रखने मे सहायक होते है।

Copyright © 2020 International Parkinson and Movement Disorder Society (MDS). All rights reserved.

International Parkinson and Movement Disorder Society
555 East Well Street, Suite 1100 • Milwaukee, WI 53202 • +1 414-276-2145 • www.movementdisorders.org

MDS-0320-047